केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

23 फरवरी 2026

सोमवार

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बक्सर-कोइलवर तटबंध पर अवैध मिट्टी खनन पर सख्ती, 29,700 सीटीएफ योजना खारिज, जांच तेज

2

एक नजर

टॉप माओवादी कमांडर देवजी ने किया आत्मसमर्पण, एक करोड़ रुपये का था इनाम

नई दिल्ली। प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) को एक बड़ा झटका देते हुए शीर्ष कमांडर और मुख्य रणनीतिकार थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। 62 वर्षीय देवजी तेलंगाना के जगतियाल जिले के निवासी हैं और उन पर एक करोड़ रुपये का इनाम था। देवजी को मई 2025 में अंबाला केशव राव (बासवराजू) की मृत्यु के बाद संगठन का संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा था। वे पार्टी की सेंट्रल कमेटी और पोलित ब्यूरो के प्रमुख सदस्य थे। उन्होंने 'पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। देवजी के साथ वरिष्ठ नेता मल्ला राजी रेड्डी और कई अन्य कैडरों ने भी हथियार डाले हैं। यह आत्मसमर्पण केंद्र सरकार द्वारा देश से माओवाद खत्म करने के लिए तय की गई मार्च 2026 की समय सीमा से ठीक पहले हुआ है।

भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों मौत

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले के कपराडा इलाके में कुंभ घाट के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। हादसा इको कार और ट्रक की जोरदार टक्कर की वजह से हुआ। जानकारी के अनुसार, मृतक आंबा जंगल क्षेत्र के निवासी थे और सभी कार में सवार होकर कपराडा से नानापोढ़ा जा रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वाहन पूरी तरह तहस-नहस हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। घायल को पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद सड़क पर भारी जाम लग गया और आसपास के इलाके में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है और पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है।

कोर्ट के बाद अब डोनाल्ड ट्रंप को भारत से झटका

- अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भारत-अमेरिका व्यापार समझौता टला
- ट्रंप के पुराने टैरिफ अवैध घोषित, नए 15 प्रतिशत शुल्क प्रभावी
- भारत अमेरिका पर निर्भरता घटाने को अन्य देशों से कर रहा डील

एजेंसी। नई दिल्ली

ट्रंप टैरिफ को लेकर अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते के वैधानिक दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम फिलहाल टाल दिया गया है। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों की टीम इस सप्ताह अमेरिका के वाणिज्य विभाग के सहयोगियों के साथ व्यापार समझौते के दस्तावेज को अंतिम रूप देने वाली थी। इस प्रक्रिया को अगली तारीख तक के लिए टाल दिया गया है। अब तक के कार्यक्रम के मुताबिक आगामी मार्च में दोनों देश व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले थे। गत शुक्रवार को अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अप्रैल में ट्रंप प्रशासन की तरफ से विभिन्न देशों पर लगाए गए शुल्क को अवैध करार दे दिया। उसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले सभी देशों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा की और उसके बाद इस शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया। समझौते के बाद भारत पर लगने वाला शुल्क 25 प्रतिशत की जगह 18 प्रतिशत हो जाता जो नए आदेश के मुताबिक 15 प्रतिशत ही रह गया है। जानकारों का कहना है कि व्यापार समझौते से जुड़ी कार्रवाई के टलने से भारत को कोई नुकसान नहीं है।अब सभी देशों पर 15 प्रतिशत के अलावा उन देशों पर पिछले साल अप्रैल से पहले जो शुल्क लगता था, वह लगेगा। जानकार यह भी बता रहे हैं कि ट्रंप की तरफ से लगाए गए इस 15 प्रतिशत के शुल्क को भी अमेरिकी अदालत में चुनौती दी जा सकती है।

भारत का व्यापार समझौता मिशन जारी

निर्यात के लिए अमेरिका पर अपनी निर्भरता खत्म करने के लिए भारत दुनिया के अन्य विकसित व प्रमुख देशों के साथ लगातार व्यापार समझौते कर रहा है। इस साल भारत कनाडा, इजरायल, पेरू, चिली जैसे देशों के साथ व्यापार समझौते को अंजाम दे सकता है। कनाडा के साथ अगले कुछ दिनों में व्यापार समझौते पर वार्ता शुरू हो सकती है तो इजरायल के साथ भारत जल्द ही वार्ता शुरू कर सकता है। इजरायल के साथ वार्ता में एजेंडा शामिल करने को लेकर पहले ही दोनों देशों में सहमति हो चुकी है। पेरू के साथ व्यापार समझौता की वार्ता लगभग पूरी हो चुकी है और अगले महीने दोनों देश समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक दुनिया के कई अन्य देश भी भारत के साथ व्यापार समझौता करना चाहते हैं।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हवाई हमलों की भारत ने की निंदा

एजेंसी। नई दिल्ली

पाकिस्तानी सेना ने रविवार की सुबह अफगानिस्तान में कथित आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में कई महिलाओं-बच्चों समेत 17 लोगों की मौत हो गई और छह लोग लापता बताए जा रहे हैं। पाकिस्तान की इस गैर-जिम्मेदाराना हरकत की भारत ने कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत रमजान के पवित्र महीने के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों की जान लेने वाले अफगान क्षेत्र पर पाकिस्तान के हवाई हमलों की कड़ी निंदा करता है। पाकिस्तान का कहना है कि उसने खुफि या जानकारी के आधार पर पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा क्षेत्र में 'सात आतंकी ठिकानों और शिविरों' को निशाना बनाया है। वहीं अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने बताया है कि नंगरहार और पक्तिका में हुए पाकिस्तान के हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत दर्जनों लोग मारे गए हैं साथ ही तालिबान सरकार के रक्षा मंत्रालय ने 'उचित समय पर' जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

कांग्रेस सरकार के दौरान मेट्रो केवल पांच शहरों में ही दौड़ती थी

कांग्रेस ने एआई समिट को गंदी और नंगी राजनीति का बना दिया अखाड़ा : पीएम मोदी

- पीएम मोदी ने मेरठ सिटी में किया मेट्रो का उद्घाटन
- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बनने में सफल हुआ

एजेंसी। मेरठ

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान विरोध प्रदर्शन को लेकर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वैश्विक आयोजन को अपनी ह्यगंदी और नंगीह्व राजनीति का अखाड़ा बना दिया। मेरठ मेट्रो का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को घेरा. पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेता विदेशी मेहमानों के सामने कपड़े उतारकर आए। देश तो पहले ही जानता है कि आप पहले से नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी। मेरठ में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2014 से पहले भारत में मेट्रो का विस्तार बहुत धीमी गति से हो रहा था. कांग्रेस सरकार के दौरान मेट्रो केवल पांच शहरों में ही चल रही थी। वहीं वर्तमान समय में भाजपा सरकार में मेट्रो देश के 25 से अधिक शहरों में चल रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अब भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बनने में सफल हो गया है। इससे देश में शहरी परिवहन और कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार हुआ है। अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती-भटकती नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। ये लोग मेरी कब्र खोदना चाहते हैं। ये मेरी मां को गाली देते हैं। वे मेरी माता का अपमान भी करने में नहीं हिचकिचाते। उन्होंने कहा कि एआई ग्लोबल समिट कोई भाजपा का कार्यक्रम नहीं था और उस समय कोई भाजपा नेता मौजूद नहीं था। यह राष्ट्र के लिए एक काम था, लेकिन कांग्रेस ने उस दिन शालीनता का उल्लंघन किया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की यह भ्रष्ट नीति पूरे देश द्वारा निंदा की जा रही है।

देश की छवि को बिगाड़ने में व्यस्त है कांग्रेस

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने भारत के लिए आयोजित एक वैश्विक कार्यक्रम को अपनी गंदी राजनीति का मंच बना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता विदेशी मेहमानों के सामने असभ्य और अनुचित व्यवहार कर रहे थे। पीएम मोदी ने कहा कि यह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी विचारधारात्मक रूप से कितनी कमजोर और भ्रष्ट हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने ही देश की छवि को बिगाड़ने में व्यस्त है।

नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया कांग्रेस ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल भारत की सफलता बर्दाश्त नहीं कर पाते। उन्होंने मेरठ में कहा कि हाल ही में भारत में आयोजित दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन देखा गया। इसमें 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और लगभग 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। लोग इस सम्मेलन पर गर्व महसूस कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस और उसके समर्थक इसे भारत के लिए वैश्विक कार्यक्रम बनने की बजाय अपनी गंदी राजनीति का मंच बना बैठे।

लश्कर की नई आतंकी चाल बेनकाब तमिलनाडु-बंगाल से 8 आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी प्रमोद कुमार कुशवाहा ने कहा कि इस केस में 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 7 बांग्लादेशी नागरिक हैं। शुरूआत में 2 लोगों की गिरफ्तारी 15 तारीख को हुई थी। 7 फरवरी को कश्मीरी गेट इलाके के पास मेट्रो के खंभों पर देश विरोधी पोस्टर लगाए गए थे. दिल्ली पुलिस मेट्रो यूनिट ने पोस्टर लगाने वालों की पहचान की और उनके रूट का पता लगाया। वे इस नतीजे पर पहुंचे कि ये लोग पश्चिम बंगाल, कोलकाता से आए थे और वे वापस कोलकाता चले गए थे टीम कोलकाता गईं और लोकल पुलिस की मदद से इन दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पहली दो गिरफ्तारियां, एक उमर फारूक की हुई थीं, जो मालदा का रहने वाला है और दूसरी गिरफ्तारी रोबिल उल इस्लाम की हुई थी, जो बांग्लादेश का रहने वाला है। उन्हें शब्बीर अहमद लोन नाम का एक आदमी हैंडल कर रहा था। शब्बीर अहमद लोन 2007 के दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल केस का दोषी आतंकवादी है, जिसमें उसे अङ-47 और हैंड ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया गया थोअपनी सजा पूरी करने के बाद, वह 2018-19 में कहीं बांग्लादेश भाग गया और उसने अपना मॉड्यूल फिर से शुरू कर दिया। उसने शुरू में उमर फारूक से कॉन्टैक्ट किया, जो उससे मिलने बांग्लादेश गया था और उसने उमर फारूक को ये पोस्टर चिपकाने और भारत में कुछ सेंसिटिव जगहों पर रेकी करने का काम दिया था। इसके बाद, उन्हें किराए पर एक अपार्टमेंट लेने का भी काम दिया गया, जिसे छिपने की जगह के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। 6 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया जो तमिलनाडु में रह रहे थे.हमारी टीम तमिलनाडु गई और उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु से गिरफ्तार आरोपियों की तस्वीरें जारी की हैं, जो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और बांग्लादेशी आतंकवादी संगठनों से जुड़ी आतंकी साजिश की योजना बना रहे थे।

असम में चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका: भूपेन बोरा भाजपा में शामिल

एजेंसी। गुवाहाटी

असम में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राज्य में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भाजपा में शामिल हो गए हैं। गुवाहाटी में रविवार को भूपेन कुमार बोरा ने भाजपा की सदस्यता ली। यह कार्यक्रम भाजपा के प्रदेश मुख्यालय वाजपेयी भवन में आयोजित किया गया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और सांसद बैजयंत पांडा भी मौजूद रहे। भूपेन बोरा के साथ कांग्रेस के पूर्व कार्यकर्ता संजू बोरा भी भाजपा में शामिल हुए। भूपेन बोरा ने 16 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। कई वरिष्ठ नेता उनसे मिलने उनके घर पहुंचे और राहुल गांधी ने भी उनसे फोन पर बात की थी। बोरा ने अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए समय मांगा था। इसके अगले ही दिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा उनके घर गए। मुलाकात के बाद सरमा ने घोषणा की कि भूपेन बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। इस घोषणा के बाद असम की राजनीति में अटकलों का दौर समाप्त हो गया।भाजपा में शामिल होने के बाद भूपेन बोरा ने कांग्रेस में अपने साथ हुए व्यवहार पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस पार्टी को 32 साल दिए। कांग्रेस ने मुझे विधायक से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक बनाया। उन्होंने बताया कि कैसे पार्टी में उन्हें अपमानित महसूस हुआ।

रांची विवि के पहले पीएचडी डिग्रीधारक थे डाक्टर सत्यदेव : आरसी ओझा

- बड़कासिंहनपुरा में छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन
- दो छात्र एवं दो छात्राओं को पांच- पांच हजार रुपए की नकद राशि मिली

केटी न्यूज/सिमरी

रांची वि. वि. के पहले पीएचडी डिग्री धारक डाक्टर सत्यदेव ओझा थे। वे को-आपरेटिव कालेज-टाटा में प्रोफेसर थे। उनके नाम पर छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ करना हर्ष का विषय है। उक्त बातें रविवार को बड़का सिंहनपुरा प्राथमिक विद्यालय में सेवानिवृत सीनियर डिविजनल कमांडेंट रामचंद्र ओझा ने कहीं। वे विकास परिषद की ओर से आयोजित डाक्टर सत्यदेव ओझा छात्रवृत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज डाक्टर सत्यदेव ओझा के सुपुत्र संतोष ओझा की ओर उनके नाम पर मैट्रिक के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जा रही है। इस पुरस्कार वितरण का आयोजन विकास परिषद-बड़का सिंहनपुरा की ओर से किया जा रहा है। दोनों को मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ खेलकूद भी बच्चों के सवार्गीण विकास के लिये आवश्यक बताया। गांव में खेल का मैदान आवश्यक है। कहा कि सफलता पाने वाले की सराहना करनी चाहिए लेकिन विफल होने वाले को हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। प्रतिभा सबमें होती है। विकास परिषद के अध्यक्ष हेमचंद्र ओझा ने कहा कि इस तरह की छात्रवृत्ति योजना अगर कोई अपने पूर्वज के नाम पर करना चाहता है तो ऐसे आयोजनों को साकार रूप विकास परिषद देगी। ग्राम स्तर पर सरकारी विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति और पठन-पाठन में शिथिलता पर अध्ययन तथा समाधान के लिए विकास परिषद एक कमेटी भी गठित करेगी। परिषद के उपाध्यक्ष जगदीश ओझा ने कहा कि बच्चे आदर्श लोगों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें क्योंकि वे क्षमतावान हैं। इस अवसर पर सीबीएसई बोर्ड से बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रियानी ओझा, अविनाश कुमार दूबे, और बिहार बोर्ड से बेहतर प्रदर्शन के लिए सोनू कुमार व खुशबू कुमारी को पांच- पांच हजार रुपए की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो दिया गया।

सचिव रामाशंकर ने ओझा, मुखिया विरेन्द्र पाठक, सरपंच नीरज पांडेय, प्रो. हृदयानंद ओझा, विनय शंकर ओझा ,रामनाथ ओझा, सुरेश तिवारी, रमेश ओझा सहित अन्य ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन के दौरान दिलीप कुमार ओझा ने कहा कि यह छात्रवृत्ति योजना अगले पांच साल तक जारी रहेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में रुन्ने ओझा की भूमिका सराहनीय रही। मंच संचालन गोपाल कृष्ण ओझा ने किया। इस अवसर पर विनोद ओझा, सुरेंद्र ओझा, वृज बिहारी ओझा, निरंजन ओझा, संतोष ओझा सहित अन्य मौजूद थे।

बक्सर-कोइलवर तटबंध पर अवैध मिट्टी खनन पर सख्ती, 29,700 सीटीएफ योजना खारिज, जांच तेज

- स्थल निरीक्षण के बाद जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई
- जियो-कोऑर्डिनेट्स के आधार पर भूमि स्वामित्व की जांच, बिना स्वीकृति खनन पर पूर्ण प्रतिबंध

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर-कोइलवर तटबंध के समीप कथित अवैध मिट्टी खनन को लेकर हाल में प्रसारित समाचारों पर जिला प्रशासन ने त्वरित और सख्त रुख अपनाया है। जिला खनन पदाधिकारी, बक्सर से प्राप्त आधिकारिक सूचना के अनुसार 29,700 घन फीट (सीटीएफ) मिट्टी खनन से संबंधित प्रस्तुत योजना का परीक्षणोपरांत अनुमोदन अस्वीकृत कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि बिना विधिवत स्वीकृति और अग्रिम रॉयल्टी शुल्क जमा किए किसी भी प्रकार का खनन पूरी तरह अवैध माना जाएगा। प्रशासनिक कार्रवाई के तहत खनन निरीक्षक द्वारा संबंधित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया गया और प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। निरीक्षण के दौरान स्थल के जियो-कोऑर्डिनेट्स संकलित कर अंचल अधिकारी, सिमरी को भूमि स्वामित्व की पहचान एवं अभिलेखीय सत्यापन के लिए प्रेषित किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि भूमि की प्रकृति, स्वामित्व और उपयोग की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही आगे की वैधानिक प्रक्रिया तय की जाएगी।

इधर, तटबंध क्षेत्र में चल रहे कटाव निरोधी एवं निर्माण कार्यों को लेकर भी प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, बक्सर के कार्यपालक अभियंता से उन संवेदकों (ठेकेदारों) की सूची मांगी गई है, जो तटबंध के आसपास कार्यरत हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्माण कार्य की आड़ में कहीं अनधिकृत खनन तो नहीं हो रहा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार सूची प्राप्त होने के बाद तथ्यों का समुचित मिलान कर जवाबदेही तय की जाएगी। जिला प्रशासन ने दो टूक कहा है कि अनुमोदित खनन योजना, पर्यावरणीय मानकों के पालन और अग्रिम रॉयल्टी शुल्क की अदायगी के बाद ही निर्धारित सीमा एवं अवधि के भीतर खनन की अनुमति दी जाती है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की गतिविधि न केवल नियमों के विरुद्ध है, बल्कि दंडनीय अपराध की श्रेणी में आती है। तटबंध जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अवैध खनन से बाढ़ सुरक्षा और जन-जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जांच प्रक्रिया निष्पक्ष और तथ्याधारित होगी। यदि किसी व्यक्ति, एजेंसी या संवेदक की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आवश्यक होने पर प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। जन सामान्य से अपील करते हुए प्रशासन ने कहा है कि अपुष्ट या भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। यदि कहीं भी संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ ही तटबंध क्षेत्र की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बक्सर-कोइलवर तटबंध पर बढ़ती निगरानी के बीच यह कार्रवाई स्पष्ट संकेत है कि नियमों से खिलवाड़ करने वालों के लिए अब कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी।

जदयू नप और प्रखंड अध्यक्ष का हुआ निर्विरोध चयन, जमकर खेली गई होली

डुमरांव। जदयू के प्रखंड और नगर अध्यक्ष चुनाव को लेकर रविवार को काफी गहमा-गहमी लगी रही। पार्टी कार्यकर्ता जहां चुनाव हो रहा था, काफी संख्या में मौजूद थे। सभी के मन में एक ही बात आ रही थी कि अध्यक्ष बदलेंगे की रीपिट होंगे। निर्वाचन पदाधिकारी संजय सिंह और पर्यवेक्षक प्रभू गोंड समय से पहुंच गए थे। उनके द्वारा बताया गया कि जो उम्मीदवार हैं अपना फार्म भर कर जमा कर सकते हैं। डुमरांव प्रखंड और नगर के लिये लिये एक-एक उम्मीदवार ने नामांकन पत्र भरा। एसे में चुनाव कराने की नौबत ही नहीं आयी और अजय चंद्र लोदी को प्रखंड अध्यक्ष और गोपाल प्रसाद गुप्ता को नगर अध्यक्ष रूप में फिर से ताजपोशी हुई। इन दोनों की घोषणा होते ही कार्यकताओं ने खुशी की लहर दौड़ गई और अबीर-गुलाल की होली शुरू हो गई।

विश्वामित्र महोत्सव में गूंजी लोक-संस्कृति की गूंज

- किला मैदान बना सांस्कृतिक संगम, राष्ट्रपति सम्मानित कलाकारों का हुआ अभिनंदन

केटी न्यूज/बक्सर

कला, संस्कृति और परंपरा की रंगीन छटा के बीच शनिवार को किला मैदान में आयोजित विश्वामित्र महोत्सव ने बक्सर की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई दी। कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी तथा जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। महोत्सव के आरंभ में बक्सर की धरती के गौरव, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित भोजपुरी गायक भरत शर्मा तथा प्रसिद्ध लोक गायक विष्णु ओझा को स्मृति चिन्ह और शॉल देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। जिलाधिकारी साहिला ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वामित्र महोत्सव का मुख्य उद्देश्य लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना और बिहार की समृद्ध परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को सुदृढ़ करते हैं और सांस्कृतिक गौरव की भावना को मजबूत बनाते हैं। मंच पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। स्थानीय कलाकार पवन कुमार ने गणेश वंदना से कार्यक्रम की भावपूर्ण शुरूआत की। राहुल कुमार एवं समूह ने राम भजन की प्रस्तुति देकर श्रद्धा का वातावरण बनाया। जूही कुमारी और सलोनी कुमारी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि भावना पांडे और बटेश्वर यादव ने भजनों से माहौल को भक्तिमय बनाए रखा। अनुराधा कुमारी, अभिनंदन ओझा और नीरज मिश्रा ने भी अपनी सशक्त प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। बारूद डांस एकेडमी के कलाकारों ने ऊजार्वान नृत्य से युवाओं में खास उत्साह जगाया। मुख्य आकर्षण के रूप में कोलकाता से आए स्पीड डांस ग्रुप ने आधुनिक शैली के नृत्य से मंच पर धमाकेदार प्रस्तुति दी। पटना की राधा सिन्हा डांस ग्रुप ने शास्त्रीय और लोक नृत्य का सुंदर समन्वय दिखाया। लोक गायिका माधव प्रिया शर्मा की मधुर आवाज ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। झिंझिया लोक नृत्य की पारंपरिक प्रस्तुति ने ग्रामीण संस्कृति की झलक दिखाई। पार्श्व गायिका भाव्या पंडित ने अपने गीतों से माहौल को सुरमय बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान किला मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा। परिवारों, युवाओं और बच्चों की उपस्थिति ने इसे जनोत्सव का रूप दे दिया। रोशनी, साज-सज्जा और सांस्कृतिक विविधता ने बक्सर को एक बार फिर उसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की याद दिलाई। विश्वामित्र महोत्सव ने यह साबित कर दिया कि जब परंपरा और प्रतिभा एक मंच पर मिलती है, तो संस्कृति की धारा और भी प्रखर हो उठती है।

एनएच-922 पर ट्रक लूट कांड का 36 घंटे में खुलासे के करीब पहुंची पुलिस, परचून लदी ट्रक बरामद, तीन हिरासत में

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर हुई ट्रक लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर खुलासा करने के करीब पहुंच गई है। पुलिस ने परचून लदी ट्रक को बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई में तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। त्वरित कार्रवाई से पुलिस ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि हाईवे पर अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, 20 फरवरी की रात एनएच-922 के छोटका ढकाइच गांव के पास अपराधियों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। ट्रक को रोककर खलासी का अपहरण कर लिया गया और उसे बंधक बनाकर परचून से भरी गाड़ी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय थाना पुलिस ने त्वरित जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस की टीम घटना में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो वाहन तक पहुंची। वाहन की बरामदगी के बाद जांच की कड़ियां तेजी से जुड़ती चली गईं। सूत्रों के मुताबिक, इसी सुराग के आधार पर पुलिस ने भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बगल स्थित मठ के पास छापेमारी कर लूटी गई ट्रक को बरामद कर लिया।

कार्रवाई के दौरान तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे गहन पूछताछ जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह में और कौन-कौन शामिल हैं तथा वारदात की साजिश कहां रची गई थी। हालांकि, अनुसंधान प्रभावित न हो, इसे देखते हुए पुलिस अधिकारी फिलहाल आधिकारिक बयान देने से परहेज कर रहे हैं।

हाईवे पर बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच इस त्वरित कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि पूछताछ में और कौन से चौंकाने वाले खुलासे सामने आते हैं।

Mob: 9122226720
कुमार आर्योपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, छेलवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरुण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरुवार

एक नजर

गंगा किनारे जागरूकता की अलख: 322वें रविवार को युवाओं ने दिया स्वच्छता का संदेश

चौसा। चौसा में मां गंगा की स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में एक अनूठी पहल लगातार मिसाल पेश कर रही है। 322वें रविवार को भी गंगा तट पर युवाओं की टीम ने सफाई के साथ-साथ जागरूकता का संदेश फैलाया। यह अभियान केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की सोच बदलने की कोशिश बन चुका है। रविवार सुबह ठीक सात बजे गंगा युवा समिति, चौसा बक्सर के सदस्य बाजार घाट पर एकत्रित हुए। संयोजक भरत पांडेय के नेतृत्व में टीम ने घाट और तटवर्ती इलाके में फैले प्लास्टिक, पॉलिथीन और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर साफ-सफाई की। सफाई के दौरान स्नान करने पहुंचे श्रद्धालुओं से भी संवाद स्थापित किया गया और उन्हें गंगा तट को स्वच्छ बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। अभियान की खास बात इसकी निरंतरता है। पिछले सात वर्षों से अधिक समय से हर रविवार बिना रुके यह पहल जारी है। भरत पांडेय ने बताया कि उनका लक्ष्य केवल एक दिन की सफाई नहीं, बल्कि लोगों के मन में स्थायी स्वच्छता संस्कार विकसित करना है। उन्होंने कहा कि जब तक आमजन स्वयं जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक किसी भी नदी को पूरी तरह स्वच्छ नहीं रखा जा सकता। सफाई के दौरान समिति के सदस्यों ने घाट पर लगे कचरा पात्रों के उपयोग पर जोर दिया और श्रद्धालुओं से पूजा सामग्री निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की। युवाओं ने यह भी कहा कि गंगा केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि जीवनदायिनी धारा है, जिसकी स्वच्छता हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। इस मौके पर मन्नू पांडेय, राधेश्याम चौधरी, मंगलदेव पासवान, राधेश्याम मद्धेशिया, पिंटू चौधरी और जियूत चौधरी सहित कई कार्यकर्ता सक्रिय रूप से मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने भी इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में अभियान से जुड़ने की इच्छा जताई। लगातार 322 सप्ताह तक बिना रुके चलने वाला यह अभियान अब चौसा की पहचान बनता जा रहा है, जहां हर रविवार गंगा तट पर सफाई के साथ एक नई सोच की शुरूआत होती है।

चक्की फुटबॉल फाइनल में गाजीपुर की शानदार जीत

सिमरी। चक्की प्रखंड के ग्राम पंचायत चक्की लक्ष्मण डेरा, बक्सर (बिहार) स्थित महर्षि श्याम सुंदर दास स्टेडियम में रविवार, 22 फरवरी को फुटबॉल टूनार्मेंट का भव्य फाइनल मुकाबला खेला गया। गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) और बलिया (उत्तर प्रदेश) की टीमों के बीच हुए इस निर्णायक मैच ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। पूरे मैदान में खेल प्रेमियों का उत्साह चरम पर रहा और तालियों की गड़गड़ाहट से स्टेडियम गूंजता रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शंभू नाथ सिंह यादव एवं जिला अध्यक्ष सरोज देवी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है तो ऐसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें मंच देने की। उन्होंने युवाओं को खेल के जरिए अनुशासन, समर्पण और टीम भावना विकसित करने का संदेश दिया। फाइनल मुकाबले में गाजीपुर की टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए बलिया को 5-1 से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की। गाजीपुर की ओर से शानदार खेल दिखाते हुए टीम ने पांच गोल दागे, जबकि बलिया की टीम एक गोल ही कर सकी। इस जीत के साथ गाजीपुर की टीम विजेता बनी, जबकि बलिया उपविजेता रही। ह्यमैन ऑफ द मैचह्न का पुरस्कार अमित यादव को दिया गया, जिन्होंने दो महत्वपूर्ण गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वहीं पूरे टूनार्मेंट में तीन गोल करने वाले सूरज कुमार को ह्यमैन ऑफ द सीरीजह्न से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष सरोज देवी, पूर्व जिला परिषद परमानंद यादव, मुखिया गुंजन यादव, पैक्स अध्यक्ष राजा यादव, पूर्व मुखिया चंदा अजित सिंह, पूर्व प्रमुख दिनेश चौधरी, चक्की प्रमुख कमलेश रजक, बीडीसी दशरथ यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र राम सहित अनेक गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। अंत में आयोजक महर्षि श्याम सुंदर दास स्पोर्ट्स क्लब ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। आयोजन की सफलता पर क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया।

SANGAM SUPER SPECIALTY HOSPITAL
संगम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

परामर्श शुल्क मात्र ₹ 1/-
+ जनरल फिजिशियन
+ स्त्री रोग विशेषज्ञ
+ जनरल व गेस्ट्रो सर्जरी
+ बाल रोग विशेषज्ञ
+ नाक, कान, गला विशेषज्ञ
+ हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ
+ न्यूरो फिजिशियन व सर्जरी
+ हृदय रोग विशेषज्ञ
+ ओनको सर्जरी (कैंसर)
+ यूरोलॉजी सर्जरी
+ फिजियो थेरेपी सेन्टर
+ पैथोलॉजी
Add.: 53/2, Avadhpuri Colony, Khargapur, Gomti Nagar, Lucknow - 226010 | Email : Sangamhospitals2025@gamil.com
Mob.: 9956026260, 9044872872

सुनीता हत्याकांड में दर्ज हुआ एफआईआर, गांव में अफवाहों का बाजार गर्म

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार, लापता होने के बाद तलाश पर उठे सवाल, पुलिस बोली जल्द होगा चौंकाने वाला खुलासा

केटी न्यूज/चक्की

चक्की के चुन्नी डेरा गांव में बोरे में बंद मिली 18 वर्षीय सुनीता कुमारी की लाश ने पूरे चक्की थाना क्षेत्र को झकझोर दिया है। घटना के दूसरे दिन रविवार को मृतका की मां फूलकुमारी देवी ने चक्की थाना में अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। आवेदन में पुत्री के अपहरण के बाद हत्या की आशंका जताई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है, लेकिन मौत के कारणों को लेकर अब भी सस्पेंस बरकरार है।

गौरतलब है कि सुनीता सोमवार को घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। शनिवार की सुबह प्राथमिक विद्यालय, चुन्नी डेरा के समीप उसका शव एक बोरे में कसकर बंद अवस्था में मिला। बोरे को खर-पतवार से ढक दिया गया था और शव काफी हद तक सड़ चुका था। दुर्गंध फैलने पर विद्यालय के शिक्षकों ने ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के दूसरे दिन भी चक्की और आसपास के गांवों में इसी वारदात की चर्चा होती रही। चौक-चौराहों से लेकर घरों तक लोग अलग-अलग कयास लगा रहे हैं। ग्रामीणों के बीच यह सवाल भी बार-बार उठ रहा है कि युवती के लापता होने के बाद परिजनों ने उसकी तलाश या गुमशुदगी दर्ज कराने में तत्परता क्यों नहीं दिखाई। हालांकि परिजनों का कहना है कि वे सदमे में थे और अपने स्तर पर खोजबीन कर रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच केवल पारिवारिक आशंकाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य संभावित बिंदुओं पर भी गहराई से पड़ताल की जा रही है। कॉल डिटेल, मोबाइल लोकेशन और युवती के हालिया संपर्कों की भी जांच हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं और बहुत जल्द मामले का खुलासा किया जा सकता है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि यह मामला सतही तौर पर जितना सीधा दिख रहा है, हकीकत उससे कहीं अधिक पेचीदा हो सकती है।

थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

इधर, गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। परिजन दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पुलिस की अगली कार्रवाई और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर अब सबकी नजर टिकी है, क्योंकि इन्हीं से इस रहस्यमय हत्याकांड के राज से पर्दा उठने की उम्मीद है।

गुप्त सूचना पर डुमरांव थानाध्यक्ष के नेतृत्व में की गई छापेमारी, मौके से शराब बनाने व भंडारण के कई उपकरण बरामद, दो तस्कर चिन्हित, एफआईआर दर्ज

डुमरांव के साफाखाना रोड में शराब निर्माण का उद्भेदन 80 लीटर देशी शराब जब्त, 200 लीटर जावा विनष्ट

- तीन माह बाद होनी थी शादी, मां ने लगाया पूर्व में धमकी देने वाले पट्टीदार पर आरोप, पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस ने गुप्त सूचना पर नगर के साफाखाना रोड स्थित अनुसूचित जाति बस्ती में छापेमारी कर अवैध तरीके से शराब निर्माण का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने दो घरों से 80 लीटर देशी शराब बरामद करने के साथ ही 200 लीटर अर्द्धनिर्मित शराब को जमीन पर गिरा विनष्ट किया। पुलिस ने मौके से शराब बनाने के कई उपकरण बरामद किए है। वहीं, शराब निर्माण व तस्करी के आरोप में दो तस्करों को चिन्हित किया गया है, जिनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया गया। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि साफाखाना रोड स्थित अनुसूचित जाति बस्ती में शराब का निर्माण व तस्करी की जा रही है। इसकी जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गई तथा वरीय अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल एक टीम गठित कर छापेमारी की गई। इस दौरान पूर्व से शराब निर्माण के रूप में चिन्हित किए गए जितेन्द्र मुसहर तथा मान्ती देवी पति स्व. गोविंद मुसहर के घरों से 40-40 लीटर समेत कुल 80 लीटर देशी चुलाई शराब मिला। इस दौरान घरवाले फरार हो गए थे। वहीं, उनके घरों तथा घर के आस पास मिट्टी के अंदर प्लास्टिक के गैलन में दबा कर रखे गए करीब 200 लीटर अर्द्धनिर्मित शराब (जावा) को जमीन पर गिरा विनष्ट कर दिया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि चिन्हित किए गए जितेन्द्र मुसहर व मान्ती देवी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया जा रहा है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि जल्दी ही तस्करों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तस्करी के जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है काम

थानाध्यक्ष ने बताया कि थाना क्षेत्र में शराब तस्करी को पूरी तरह से रोकने के लिए पुलिस सक्रिय है। उन्होंने कहा कि शराब तस्करी के जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जा रहा है। इसके लिए इलाके में शराब निर्माण व तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जल्दी ही तस्करी के पूरे नेटवर्क को नेस्तानबूद कर दिया जाएगा। दूसरी तरफ पुलिस के इस तेवर से तस्करों का मनोबल टूट गया है।

साफाखाना रोड के अलावे बंझू डेरा व नोनिया डेरा में भी होता है शराब का निर्माण

बता दें कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद डुमरांव थाना क्षेत्र के कई गांवों में चोरी-छिप्पे शराब निर्माण की जानकारी मिलते रही है। कई बार पुलिस की छापेमारी में भी अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया गया है। जानकारी के अनुसार साफाखाना रोड की अनुसूचित जाति बस्ती के अलावे डुमरांव थाना क्षेत्र का बंझू डेरा व नोनिया डेरा जैसे गांव भी शराब निर्माण के लिए कुख्यात है। इन दोनों गांवों में भी छापेमारी के दौरान कई बार शराब निर्माण व तस्करी की पुष्टि हो चुकी है।

सीमा पार से शराब का खेल नाकाम: चौसा में 304 टेट्रा पैक संग नाबालिग धराया

चौसा। बिहार में शराबबंदी के बीच तस्करी का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। चौसाझ्रकोचस मुख्य मार्ग पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेचनपुरवा के समीप पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए यूपी से लाई जा रही 60.8 लीटर देशी शराब जब्त की है। हैरानी की बात यह है कि इस धंधे में एक नाबालिग को आगे कर तस्करी कराई जा रही थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश की ओर से एक बाइक सवार बैग में शराब छुपाकर बिहार सीमा में प्रवेश करने वाला है। सूचना मिलते ही चौसाझ्रकोचस मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान शुरू कर दिया गया। जांच के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और कुछ ही दूरी पर उसे धर दबोचा। तलाशी लेने पर बाइक पर रखे बैग से 304 टेट्रा पैक देशी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 60.8 लीटर आंकी गई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पकड़ा गया युवक नाबालिग है और शराब को इलाके में खपाने की तैयारी थी। पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है और आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने स्पष्ट किया कि शराब तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि नाबालिगों को ढाल बनाकर अवैध कारोबार करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सीमा पार से हो रही तस्करी पर पुलिस की पैनी नजर है और ऐसे नेटवर्क को तोड़ने की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

बक्सर में तीन माह की गर्भवती की संदिग्ध स्थिति में मौत, पति समेत तीन हिरासत में

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र के मल्लाह टोली मोहल्ले में एक गर्भवती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। उसका शव फंदे से लटका मिला है। मृतका की पहचान सविता देवी पति नंद जी चौधरी के रूप में हुई है। सविता की शादी वर्ष 2024 में हुई थी और वह करीब तीन माह की गर्भवती बताई जा रही थी। परिजनों के अनुसार नंद जी चौधरी दुबई में रहकर काम करते हैं और पिछले पांच महीनों से छुट्टी पर घर आए हुए थे। 13 मार्च को उन्हें वापस दुबई जाना था, जिसके लिए टिकट भी लिया गया था। बताया जाता है कि शुक्रवार की शाम पति नशे की हालत में था और किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। शनिवार की सुबह सविता का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अंतिम संस्कार के बाद पुलिस ने रविवार देर रात कार्रवाई करते हुए पति नंद जी चौधरी, उनके चाचा और चाची को हिरासत में ले लिया। तीनों से थाने में गहन पूछताछ जारी है। अब तक इस मामले में किसी पक्ष की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। गर्भवती महिला की इस संदिग्ध मौत से पूरे मोहल्ले में दहशत और चर्चा का माहौल है। जहां कुछ लोग इसे आत्महत्या मान रहे हैं, वहीं कई लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और सच्चाई सामने लाने का दावा कर रही है।

पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ी अपराधिक घटनाएं

डुमरांव। हाल के दिनों में पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर हाल के दिनों में अपराधिक वारदाते बढ़ी है। जिसमें अधिकांश के मामले में पुलिस खाली हाथ चल रही है। पिछले एक पखवाडे.में नया भोजपुर व कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में तीन अपराधिक घटनाओं ने एनएच पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। पहली घटना 10 फरवरी को है जब अपराधियों ने बक्सर के दवा व्यवसायी आशुतोष मिश्रा की आरा से बक्सर आ रही दवा की खेप को वैन रूकवा उसमें से तीन पेटी दवा लूट ली थी। घटना नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रतापसागर व चंदा गांव के बीच स्थित पेट्रोल पंप के पास की है। इस मामले में पीड़ित व्यवसायी ने नया भोजपुर थाने में एफआईआर भी दर्ज कराया है, लेकिन पुलिस अभी तक इस मामले का उद्भेदन नहीं कर सकी है। हालांकि, पुलिस इस मामले को संदिग्ध मान रही है। बावजूद उद्भेदन नहीं होने से कई सवाल खड़े हो रहे है। वहीं, दूसरी घटना भी नया भोजपुर थाना क्षेत्र की है। 16 फरवरी को नया भोजपुर सब्जी मंडी के समीप आदर्श नगर निवासी चंद्रावती देवी नामक एक महिला से उचक्कों ने नशीला पदार्थ सुंघाकर करीब एक लाख रूपए मूल्य के आभूषण व 2 हजार नगद रूपए छिन लिए थे। इस मामले में भी पुलिस खाली हाथ चल रही है। जबकि तीसरी घटना चार दिन पहले कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के ढकाईच गांव के समीप की है। यहां रात में लूटेरों ने सामान से लदी ट्रक को लूट लिया है। हालांकि पुलिस ने ट्रक बरामद करने के साथ ही इस मामले में तीन को हिरासत में ले उद्भेदन के करीब पहुंच गई है। एनएच पर लगातार हो रही अपराधिक घटनाओं से कई सवाल खड़े हो रहे है। इस संबंध में एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कहा कि सभी मामले अलग-अलग तरह के है। इनकी जांच की जा रही है। एनएच पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। एसडीपीओ ने बताया कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा, बल्कि उन्हें शीघ्र पकड़ सलाखो के पीछे भेजा जाएगा।

बिजली के पोल से टकराकर बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी, सदर अस्पताल रेफर

केसठ। प्रखंड के केसठ-सरैया डुमरांव राजवाहा नहर मार्ग पर भट्ठा पुल के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक की बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े बिजली के पोल से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा।घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने मानवता का परिचय देते हुए तुरंत घायल युवक को उठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, केसठ पहुंचाया। वहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत नाजुक देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, बक्सर रेफर कर दिया गया। समाचार लिखे जाने तक घायल युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक युवक पटना जिला का निवासी बताया जा रहा है, जो प्रखंड के कुलमनपुर गांव में रहकर राजमिस्त्री का कार्य करता था। बताया जाता है कि वह रविवार की सुबह अपने काम पर जा रहा था, तभी भट्ठा पुल के समीप यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही बासुदेवा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की छानबीन शुरू कर दी। थानाध्यक्ष अनिल पासवान ने बताया कि घायल युवक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है तथा संभावित परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सड़क पर वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और तेज रफ्तार से बचें।

आपसी विवाद के कारण जदयू केसठ प्रखंड अध्यक्ष का चुनाव रद्द

केसठ। जेडीयू के केसठ प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए रविवार को आयोजित चुनाव आपसी विवाद के कारण रद्द कर दिया गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पार्टी कार्यकताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार अध्यक्ष पद के लिए दो दावेदार मैदान में थे। नामांकन और समर्थकों की संख्या को लेकर दोनों पक्षों में गुटबाजी बढ़ती गई। मतदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिससे स्थिति बिगड़ने लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। मौके पर मौजूद जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने हालात को नियंत्रित करते हुए चुनाव स्थगित करने का निर्णय लिया। नेताओं ने स्पष्ट कहा कि संगठन की एकता सर्वोपरि है और किसी भी स्थिति में आंतरिक कलह को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आपसी सहमति बनने के बाद ही अगली तिथि की घोषणा की जाएगी।जिला नेतृत्व के निर्देश पर जल्द ही पुनः बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से प्रखंड अध्यक्ष के चयन का प्रयास किया जाएगा। चुनाव रद्द होने से कार्यकताओं में मायूसी देखी गई। हालांकि वरिष्ठ नेताओं ने सभी कार्यकताओं से संयम बनाए रखने और संगठन हित में कार्य करने की अपील की है।

सिमरी जदयू प्रखंड अध्यक्ष चुनाव में विवाद गहराया

सिमरी। सिमरी प्रखंड परिसर स्थित सभागार भवन में रविवार को जनता दल (यूनाइटेड) के प्रखंड अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव को लेकर प्रखंड भर के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता प्रक्रिया में शामिल हुए। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष पद के लिए तीन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। निर्धारित समय पर स्क्रूटनी की प्रक्रिया शुरू की गई, जिसमें वर्तमान प्रखंड अध्यक्ष सहित एक अन्य उम्मीदवार के नामांकन पत्र में त्रुटि पाए जाने की बात कही गई। निर्वाचन पदाधिकारी ने आवश्यक कागजी औपचारिकताओं में कमी का हवाला देते हुए दोनों के पर्चे निरस्त कर दिए। इसके बाद शेष बचे उम्मीदवार रमेश पासवान को निर्वाचित पदाधिकारी द्वारा प्रखंड अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित कर दिया गया। औपचारिक घोषणा के साथ ही उनके समर्थकों ने उन्हें बधाई दी और संगठन को मजबूत करने का संकल्प दोहराया। हालांकि चुनाव परिणाम सामने आते ही विवाद भी गहरा गया। पूर्व प्रखंड अध्यक्ष नन्दजी राम ने आरोप लगाया कि साजिश के तहत उनके नामांकन पत्र को त्रुटिपूर्ण करार दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए गए थे, इसके बावजूद उनका पर्चा रद्द किया गया। उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर पटना जाकर पार्टी के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों से मुलाकात करने और औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की बात कही। वहीं जदयू के वरिष्ठ नेता विनोद राय ने भी निर्वाचन पदाधिकारी की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अपने पक्ष के चहेते उम्मीदवार के प्रति उदारता बरती गई। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए ताकि संगठन में पारदर्शिता बनी रहे। चुनाव के दौरान प्रखंड कार्यालय परिसर में समर्थकों के बीच हल्की नोकझोंक भी देखने को मिली, हालांकि स्थिति शांतिपूर्ण बनी रही।

सरेजा में 65 वर्षीय महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत, मचा हड़कंप

केटी न्यूज/बक्सर

सरेजा गांव में रविवार की सुबह एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। सड़क किनारे पड़ी एक वृद्ध महिला की लाश ने न सिर्फ सनसनी फैलाई, बल्कि कई अनुत्तरित सवाल भी छोड़ दिए। मामला राजपुर थाना क्षेत्र का है, जहां ग्रामीणों ने सुबह टहलने के दौरान शव देख पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच शुरू की तो महिला के पास से एक झोला बरामद हुआ। झोले में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान रोहतास जिले के कोचस थाना क्षेत्र निवासी के रूप में हुई। दस्तावेजों के अनुसार महिला की उम्र करीब 65 वर्ष बताई जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते दो दिनों से वह महिला इलाके में असामान्य अवस्था में भटकती नजर आई थी। वह कभी सड़क किनारे बैठी दिखती, तो कभी गांव की गलियों में इधर-उधर घूमती। किसी ने उससे बातचीत की कोशिश नहीं की, और न ही उसके परिजनों की जानकारी मिल सकी। अब वही महिला निर्जीव अवस्था में मिली है।

थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्राकृतिक मौत या ठंड लगने से तबीयत बिगड़ने की आशंका से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन पुलिस अन्य संभावनाओं से भी इनकार नहीं कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि एक वृद्ध महिला अपने घर से कई किलोमीटर दूर बक्सर जिले के इस गांव तक कैसे पहुंची? क्या वह रास्ता भटक गई थी, या फिर किसी वजह से घर छोड़कर निकली थी? क्या वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थी, या कहानी में कोई और परत छिपी है?

स्व. शशि यादव की 20वीं पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों को परोसा गया सम्मान का प्रसाद

- भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के भोजन बैंक का 46वां सप्ताह, समाजसेवियों और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर किया सहयोग

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को बक्सर में सेवा और संवेदना का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के अंतर्गत संचालित ह्लभोजन बैंक बक्सरह्व ने अपने 46वें सप्ताह में जरूरतमंदों के बीच निःशुल्क प्रसाद रूपी भोजन का वितरण किया। यह आयोजन सामाजिक कार्यकर्ता स्वर्गीय शशि यादव की 20वीं पुण्यतिथि को समर्पित रहा, जिसमें उनके भतीजे दीपक यादव ने विशेष रूप से भोजन वितरण की जिम्मेदारी निभाई।

दीपक यादव ने कहा कि स्व. शशि यादव द्वारा किए गए सामाजिक कार्य आज भी जिले में याद किए जाते हैं। वे सभी वर्गों के कमजोर और वंचित लोगों की आवाज थे। उनके कार्यों की बदौलत लोगों ने उन्हें स्नेहपूर्वक ह्लबिहार सरकारह्व की उपाधि दी थी। पुण्यतिथि के अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन कराना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम का संयुक्त संचालन शिक्षक लक्ष्मी नारायण, आनंद कुमार (जिला आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी दूध), प्रभात शर्मा एवं बबलू गुप्ता ने किया। मौके पर चंदन कुमार उपाध्याय, आर्यन उपाध्याय, प्रभात शर्मा और संजय सिंह ने संस्थान की पहल को काबिले-तारीफ बताते हुए कहा कि ह्लनर सेवा ही नारायण सेवाह्व है और ऐसे आयोजनों में समाज के हर वर्ग को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए।

इस अवसर पर संस्थान को खाद्य सामग्री के रूप में आनंद कुमार (मदर डेयरी), एक महिला अभिभावक तथा श्याम जी केशरी ने सहयोग दिया। वहीं आर्थिक सहयोग विजय वर्मा, मुन्ना सिंह, रामेश्वर प्रसाद सिंह, दीपक वर्मा और रमेश वर्मा सहित अन्य समाजसेवियों ने प्रदान किया। संस्थान की टीम ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में संतोष राय, संतोष पासवान, प्रमोद केशरी (एलआईसी), दिव्यांग संघ बक्सर के जिलाध्यक्ष जितेंद्र ठाकुर, शिक्षक अर्जुन सिंह, अजय गुप्ता, संजय सिंह, चंदू सिंह, शिवम राय सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में संस्थान के अध्यक्ष दीनानाथ जी एवं हाफी इमरान शामसी ने सभी सहयोगियों और उपस्थित नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

भोजन वितरण के उपरांत भुआली वर्मा द्वारा टीम के साथ पूर्व की भांति गौ-ग्रास अर्पित कर गौ सेवा भी की गई। संस्थान के सचिव राजीव कुमार और भोजन बैंक मार्गदर्शन टीम के कृष्ण देव चौधरी ने अपील की कि आगामी रविवार सुबह 9 बजे बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर में पहुंचकर जरूरतमंदों को भोजन कर पुण्य के भागी बनें और इस सेवा कार्य को निरंतर बनाए रखने में सहयोग दें।

बिहार में बढ़ने लगी गर्मी: फरवरी के अंत में 32°C पार

एजेंसी। पटना

बिहार में मौसम का मिजाज इन दिनों तेजी से बदल रहा है। फरवरी के आखिरी सप्ताह में राज्य के अधिकांश हिस्सों में दिन का तापमान बढ़कर 28 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है, जिससे लोगों को समय से पहले गर्मी का एहसास होने लगा है। हालांकि सुबह और शाम के समय हल्की ठंड अब भी बनी हुई है, जो मौसम को संतुलित बनाए हुए है। राजधानी पटना समेत गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा जैसे जिलों में दिन के समय तेज धूप निकल रही है। खासकर दोपहर के समय गर्मी ज्यादा महसूस की जा रही है, जबकि

सुबह में हल्की ठंडी हवाएं चलने से मौसम सुहावना बना रहता है। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल राज्य में किसी बड़े मौसमीय बदलाव की संभावना नहीं है और अगले कुछ दिनों तक तापमान इसी स्तर पर बना रहेगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव फिलहाल बिहार पर नहीं पड़ रहा है, जिसके कारण आसमान साफ बना हुआ है और धूप तेज हो रही है। यही वजह है कि दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालांकि रात के तापमान में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है, जिससे सुबह और शाम के समय हल्की ठंड का अहसास बना हुआ है। कृषि क्षेत्र के लिए यह मौसम काफी अनुकूल माना जा रहा है। गेहूं, मक्का और दलहन की फसलों के लिए यह तापमान सही है, जिससे किसानों को अच्छी पैदावार की उम्मीद है। हालांकि विशेषज्ञों ने किसानों को सलाह दी है कि वे सिंचाई का ध्यान रखें, क्योंकि तापमान बढ़ने के साथ ही मिट्टी में नमी तेजी से कम हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भी इस बदलते मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी है। दिन में गर्मी और सुबह-शाम ठंड के कारण सर्दी-खांसी और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में लोगों को सुबह और रात के समय हल्के गर्म कपड़े पहनने और दिन में धूप से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मार्च के दूसरे सप्ताह से तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे राज्य में गर्मी का असर और तेज होगा। इसके साथ ही लोगों को कूलर और पंखों का इस्तेमाल शुरू करना पड़ सकता है। हालांकि फिलहाल मौसम सुहावना बना हुआ है और लोगों को ठंड और गर्मी दोनों का मिश्रित अनुभव मिल रहा है। कुल मिलाकर बिहार में मौसम एक संक्रमण काल से गुजर रहा है, जहां ठंड विदाई ले रही है और गर्मी धीरे-धीरे अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही है। आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी के लिए तैयार रहना होगा।

बिहार में पीएम किसान योजना का एफआर सत्यापन अभियान 54% पूरा, वैशाली, बेगूसराय और शिवहर अव्वल

एजेंसी। पटना

बिहार में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्रेशन (एफआर) सत्यापन अभियान में राज्य की प्रगति उत्साहजनक बनी हुई है। माननीय उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि 54 प्रतिशत से अधिक सत्यापन पूरा होना किसानों के हित में राज्य की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जिन जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, उन्हें बधाई दी जाती है, जबकि जिन जिलों में काम धीमा है, वहाँ विशेष अभियान चलाकर गति बढ़ाई जाएगी। उनका यह भी कहना था कि लक्ष्य यह है कि प्रत्येक पात्र किसान को पीएम किसान योजना का लाभ मिले और राज्य के सभी किसानों तक सरकारी सुविधाएँ आसानी से पहुँचें, ताकि समृद्ध किसान और उन्नत बिहार का निर्माण हो सके। 22 फरवरी को दोपहर 2 बजे तक जारी रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में कुल 85,53,570 पंजीकृत किसानों में से 46,27,777 किसानों का एफआर सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है, जो कुल का 54.1 प्रतिशत है। रविवार होने के बावजूद 8,320 किसानों का ई-केवाईसी किया गया और 12,516 नए फार्मर रजिस्ट्रेशन जोड़े गए। प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत कुल 23,27,928 किसानों का एफआर सत्यापन भी पूरा हो चुका है, जो कुल का 27.22 प्रतिशत है। जिलों की रैंकिंग में वैशाली सबसे आगे है, जहाँ 107 प्रतिशत एफआर सत्यापन पूरा हुआ। इसके अलावा शिवहर 98%, बेगूसराय 96%, कटिहार 86%, बक्सर 87% और किशनगंज 79% के साथ उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहे हैं। इन जिलों में प्रशासनिक सक्रियता और कैंप आधारित ई-केवाईसी अभियान का सकारात्मक असर देखा गया।मध्यम प्रदर्शन वाले जिले मध्यम प्रदर्शन वाले जिलों में गया 54%, मुजफ्फरपुर 64%, दरभंगा 65% और अन्य जिलों में 63% एफआर सत्यापन पूरा हुआ है। इन जिलों की प्रगति संतोषजनक मानी जा रही है, लेकिन लक्ष्य प्राप्ति के लिए और तेजी की आवश्यकता है। सारण में केवल 22%, जमुई में 21%, सिवान में 27% और पूर्वी चंपारण में 32% एफआर सत्यापन पूरा हो सका है। इन जिलों में विशेष अभियान चलाने की जरूरत बताई जा रही है, ताकि राज्य का समग्र प्रतिशत तेजी से बढ़ाया जा सके। राज्य सरकार ने सभी जिलों की प्रतिदिन समीक्षा करने और ई-केवाईसी एवं एफआर सत्यापन कार्य की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पात्र किसानों को योजना का लाभ समय पर मिल सके।

एफआर सत्यापन में वर्तमान स्थिति

22 फरवरी को दोपहर 2 बजे तक जारी रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में कुल 85,53,570 पंजीकृत किसानों में से 46,27,777 किसानों का एफआर सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है, जो कुल का 54.1 प्रतिशत है। रविवार होने के बावजूद 8,320 किसानों का ई-केवाईसी किया गया और 12,516 नए फार्मर रजिस्ट्रेशन जोड़े गए। प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत कुल 23,27,928 किसानों का एफआर सत्यापन भी पूरा हो चुका है, जो कुल का 27.22 प्रतिशत है।

मध्यम प्रदर्शन वाले जिले

मध्यम प्रदर्शन वाले जिलों में गया 54%, मुजफ्फरपुर 64%, दरभंगा 65% और अन्य जिलों में 63% एफआर सत्यापन पूरा हुआ है। इन जिलों की प्रगति संतोषजनक मानी जा रही है, लेकिन लक्ष्य प्राप्ति के लिए और तेजी की आवश्यकता है।

पिछड़े जिले

सारण में केवल 22%, जमुई में 21%, सिवान में 27% और पूर्वी चंपारण में 32% एफआर सत्यापन पूरा हो सका है। इन जिलों में विशेष अभियान चलाने की जरूरत बताई जा रही है, ताकि राज्य का समग्र प्रतिशत तेजी से बढ़ाया जा सके। राज्य सरकार ने सभी जिलों की प्रतिदिन समीक्षा करने और ई-केवाईसी एवं एफआर सत्यापन कार्य की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पात्र किसानों को योजना का लाभ समय पर मिल सके।

विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक में सौंदर्यीकरण पर हुई चर्चा

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड क्षेत्र के महसई मोहल्ला के मुस्लिम टोला स्थित प्राथमिक विद्यालय में रविवार को शिक्षा समिति का बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता वार्ड 12 की सदस्य खुशनुमा परवीन ने की। इस दौरान विद्यालय की सचिव फातिमा खातून एवं प्रधान शिक्षिका तमन्ना खातून की उपस्थिति में बैठक तहत विद्यालय के सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर दिया गया। विद्यालय में कार्यालय के लिए शीशा युक्त टेबल,10 पीस फाइबर की कुर्सी,विद्यालय के शौचालय की साफ-सफाई, नछज्जा मरम्मती व छत में ईंट जोड़ाई, कार्यालय के फर्श मरम्मती व कारपेट बिछाना, विद्यालय के चारदीवारी का रंग-रोगन,अलमीरा मरम्मती एवं एक साउंड बॉक्स की खरीदारी समेत कई अन्य मुख्य बिंदुओं पर बैठक के दौरान प्रस्ताव पारित हुआ। वार्ड पार्षद सदस्य ने बताई कि विद्यालय में अभी 80 बच्चे नामांकित है। बच्चों का ज्यादा समय विद्यालय में ही बीतता है। इसलिए विद्यालय का आकर्षक होना अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय के आकर्षक होने और बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधाएं मिलने पर उनका लगाव विद्यालय के प्रति रहता है। साथ ही कहा कि सरकार द्वारा प्रदत राशि से विद्यालय को भविष्य में और भी सुविधाजनक और आकर्षक बनाया जाएगा। इस मौके पर शिक्षा समिति के सदस्य सह शिक्षक सतीश कुमार,शिक्षिका ईफात परवीन जेया,असगरी खातून एवं वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मो.इरफान आलम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अनियंत्रित पार्सल ट्रक के टक्कर से बाइक चालक की दर्दनाक मौत

■ घटना में दो लोग जख्मी,शव को कब्जे में ले पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

केटी न्यूज/रोहतास

दावथ प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली एनएच 30 पर सेमरी गांव के समीप रविवार की दोपहर एक अनियंत्रित पार्सल ट्रक ने एक बाइक सवार को रौंद दिया। जिससे एक व्यक्ति की मृत्यु घटना स्थल पर ही हो गया। वहीं दो अन्य लोग जख्मी हैं। जिनका इलाज अलग अलग चल रहा है। शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु सासाराम भेज दिया है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार पंजियार ने बताया कि एनएच 30 पर सेमरी गांव के समीप एक दिनारा की तरफ से आ रही एचआर 38 डब्लू 6546 ने दिनारा के तरफ से ही आ रही बीआर24 एपी 8065 बाइक पर तीन सवार लोगों को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक पर सवार झलखोरिया निवासी भगवान राम का 35 वर्षीय पुत्र रंगलाल राम अनियंत्रित होकर ट्रक के नीचे आ गया। जिससे कुचल कर मृत्यु घटना स्थल पर ही हो गई। वहीं बकरा निवासी दो अन्य लोग घायल हो गए। जिसमें एक बकरा निवासी मुन्ना राम 27 वर्ष का प्राथमिक उपचार स्थानीय सीएचसी में कराया गया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कुछ देर एनएच 30 को जाम कर दिया। थानाध्यक्ष के पहल पर जाम हटाया गया। वहीं शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया।

बिहार में 27 जिलों में खुलेंगे नए ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन, अनफिट गाड़ियों पर कसेगा शिकंजा

एजेंसी। पटना

बिहार की सड़कों पर अनफिट वाहनों के परिचालन को रोकने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन विभाग ने 27 जिलों में नए ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) खोलने का निर्णय लिया है। इसके लिए एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं और विभाग की कोशिश है कि इसी वर्ष के भीतर चयन प्रक्रिया पूरी कर संचालन शुरू कर दिया जाए। अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से यह पहल की जा रही है। एटीएस में वाहनों की फिटनेस जांच पूरी तरह मशीन आधारित होती है। इसमें ब्रेक, स्टीयरिंग, सस्पेंशन, हेडलाइट, इंडिकेटर, एक्सल, टायर और अंडरबॉडी समेत 30 से अधिक

महत्वपूर्ण सुरक्षा घटकों की जांच की जाती है। इसके अलावा वाहनों से निकलने वाले धुएं की भी कंप्यूटरीकृत जांच होती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वाहन पर्यावरण मानकों का पालन कर रहा है या नहीं।परिवहन विभाग के मुताबिक अनफिट वाहनों को सड़कों से हटाना ही एटीएस का मुख्य उद्देश्य है। विभाग का मानना है कि कई सड़क हादसों के पीछे तकनीकी खराबी, खासकर ब्रेक फेल और स्टीयरिंग सिस्टम की गड़बड़ी, बड़ी वजह बनती है। राज्य में फिलहाल आठ एटीएस संचालित हैं। इनमें पटना में तीन केंद्र जबकि दरभंगा, भागलपुर, हाजीपुर, नालंदा और सासाराम में एक-एक केंद्र कार्यरत हैं। नियमानुसार नई गाड़ियों को दो साल बाद पहली फिटनेस जांच करानी होती है, जबकि आठ साल से अधिक पुरानी व्यावसायिक गाड़ियों को हर वर्ष फिटनेस सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य है।अधिकारियों के अनुसार एक वाहन की पूरी जांच में औसतन 15 मिनट का समय लगता है। इस हिसाब से यदि कोई केंद्र चौबीसों घंटे भी संचालित हो तो अधिकतम 100 वाहनों की जांच संभव है। हालांकि, जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जानकारी के मुताबिक कई एटीएस केंद्र प्रतिदिन 250 से 300 वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी कर रहे हैं, जो तकनीकी रूप से संभव नहीं माना जा रहा। इससे केंद्रों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नियम के अनुसार परिवहन विभाग को हर छह महीने पर इन केंद्रों की जांच करनी है, लेकिन आरोप है कि स्थानीय स्तर पर मिलीभगत के कारण कई केंद्र मनमाने तरीके से संचालित हो रहे हैं। इससे सड़क पर अनफिट गाड़ियों का परिचालन जारी है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। मौजूदा व्यवस्था को सख्त करने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए विभाग ने जिन 27 जिलों में नए एटीएस खोलने का निर्णय लिया है, उनमें मुंगेर, जमुई, शेखपुरा, बांका, अररिया, शिवहर, नवादा, सहरसा, किशनगंज, वैशाली, नालंदा, सारण, बेगूसराय, लखीसराय, बेतिया, मधेपुरा, अरवल, खगड़िया, औरंगाबाद, सीतामढ़ी, जहानाबाद, कटिहार, रोहतास, सुपौल, समस्तीपुर, सीवान और दरभंगा शामिल हैं।

सड़क सुरक्षा पर पड़ेगा सकारात्मक असर

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि एटीएस की निगरानी सख्ती से की जाए और मशीन आधारित जांच को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए तो सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। राज्य में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर यह कदम अहम माना जा रहा है। परिवहन विभाग ने संकेत दिए हैं कि नए केंद्रों के साथ-साथ मौजूदा एटीएस की भी विशेष ऑडिट कराई जाएगी। यदि गड़बड़ी पाई गई तो संबंधित एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार की इस पहल से उम्मीद है कि बिहार की सड़कों पर केवल फिट और सुरक्षित वाहन ही दौड़ेंगे, जिससे आम लोगों की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

एक नजर

जदयू के पुन: प्रखंड अध्यक्ष बनें धर्मेंद्र,लोगों ने दी बधाई

अगिआंव। जदयू के संगठनात्मक चुनाव के दौरान जदयू प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार यादव निर्विरोध निर्वाचित होने पर प्रतिनिधियों समेत गण मन लोगों ने ने बधाई दी। सेवथा पंचायत मुखिया गजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि अच्छी कार्य निष्ठा व कुशल प्रभावशाली व्यक्ति होने के कारण निर्विरोध निर्वाचित होना तय होता है। हमारे अभिभावक के साथ-साथ अपने प्रति स्वच्छ श्रद्धा के साथ आम जनता के साथ पारिवारिक व्यवहार करते हैं। बधाई देने वालों में सेवथा पंचायत मुखिया गजेंद्र सिंह यादव पूर्व समिति सदस्य अजीत सिंह कुशवाहा शिक्षक नवीन कुमार संभल किशोर जयंत सिंह शिवाजी सिंह यादव श्यामल किशोर रामधारी राम भगत राम मोहन राम विनोद कुमार राकेश कुमार यादव समेत अन्य गणमान्य लोग शामिल थे।

उप विकास आयुक्त ने सेवथा पंचायत मुखिया को किया प्रोत्साहित

अगिआंव। उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह ने शनिवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायत में जनप्रतिनिधियों के कार्यों की समीक्षा किया। समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह ने सेवथा पंचायत मुखिया गजेंद्र कुमार यादव को को वार्षिक कार्य की उपलब्धि को देखते हुए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने विकास में हर गति हर संभव प्रयास करने का भी आश्वासन दिया। पंचायत मुखिया गजेंद्र कुमार सिंह यादव ने बताया कि जनता के जनहित के कार्यों को देखते हुए विकास की धाराओं को धरातल पर उतरा गया है। चुनाव के पूर्व लिए गए संकल्प के अनुसार हमने जनता के वादों पर हाकमरी ना करते हुए खरा उतरा है, आगे भी हमारा यह प्रयास रहेगा कि हम जनहित में अच्छा कार्य कर सके। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी अर्चना कुमारी,मनरेगा पीओ,वेरी पदाधिकारी समिति अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे। जीविका दीदियों द्वारा निर्माण सामग्री से उपस्थित पदाधिकारी एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया गया।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर से ऊर्जा खपत या राशि के कटौती होती हैं जानकारी : ईईई

सासाराम। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के अधीन आने वाले सब डिवीजन बिक्रमगंज, कोचस, सासाराम (शहरी) व सासाराम (ग्रामीण) के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर का अधिष्ठापन किया जा रहा है एवं स्मार्ट मीटर के अधिष्ठापन के समय उपभोक्ताओं से कोई भी शुल्क नहीं ली जाती है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की स्मार्ट मीटर मे डाटा स्वतः ही बिलिंग सर्वर पर आ जाता है जिससे ऊर्जा रीडिंग के लिए मीटर रीडर की जरूरत नहीं पड़ती है। स्मार्ट मीटर में ऑन लाईन के माध्यम से समय पर विपत्र प्राप्त कर सकतें हैं एवं मानव हस्तक्षेप नहीं होने से विद्युत विपत्र में त्रुटि की संभावना नहीं रहती है। स्मार्ट मीटर के कारण बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होने से उपभोक्ताओं के विद्युत विपत्र को समझने में सुविधा होती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ता को दैनिक ऊर्जा खपत या राशि की कटौती की जानकारी वास्तविक समय में प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ता अपने उपयोग की आदतों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और ऊर्जा की बचत कर अपने विपत्र की राशि को कम कर सकतें हैं साथ हीं वास्तविक समय डाटा की उपलब्ध होने से अधिक खपत करने वाले उपकरणों की पहचान कर सकतें हैं, जिससे ऊर्जा बचत करने के उपाय ढूंढ़ सकतें हैं। स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन से पूर्व विद्युत बकाया राशि को किस्तों में भुगतान करने की व्यवस्था की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को बकाया राशि एक मुश्त जमा करने की वित्तीय भार से मुक्ति मिलती है। स्मार्ट मीटर द्वारा नये विद्युत संबंध स्थापित करने हेतु किसी भी प्रकार का प्रतिभूति राशि नहीं लिया जाता है। स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन उपरांत यदि मैक्सिमम डिमांड स्वीकृत भार से बढ़ जाता है तो उपभोक्ता को छः माह तक मैक्सिमम डिमांड शुल्क से राहत दी जाती है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के परिसर में सोलर पैनल अधिष्ठापन के उपरान्त स्मार्ट मीटर को नेट मीटर में बदल दिया जाता है, जिससे उपभोक्ताओं का अलग से नेट मीटर खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। स्मार्ट मीटर से प्राप्त स्टीक और विस्तृत डेटा समस्याओं का समाधान जल्दी करने में मदद करता है। उपभोक्ता को मोबाइल एप के माध्यम से ही विपत्र प्राप्त हो जाता है तथा बिना कार्यालय गए अपने स्मार्ट मीटर का रिचार्ज भी कर सकते है। त्रुटिरहित विपत्रीकरण से उपभोक्ताओं को विद्युत कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ता है। स्मार्ट मीटर प्रणाली को पारदर्शी एवं सुलभ बनाता है, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध होती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर डिसकनेक्शन होने के उपरांत मीटर में लगे पुश बटन की मदद से बिजली चालू की जा सकती है। ऐसा करने पर 72 घंटे तक बिजली बाधित नहीं होगी। यह सुविधा महिने में एक बार उपलब्ध होगी। विभाग द्वारा खपत संबंधित भ्रांति को दूर करने लिए चेक मीटर का अधिष्ठापन भी विभिन्न जगहों पर स्मार्ट मीटर के साथ किया जा रहा है, जिससे की स्मार्ट मीटर की शुद्धता को सत्यापित किया जा सके।

भाजपा ने कार्यकर्ताओं सुनी प्रधानमंत्री मन की बात

बिक्रमगंज। प्रखंड क्षेत्र के घुसियां खुर्द में रविवार को प्रधानमंत्री मन की बात 131 वीं कड़ी सुनने के उपरांत कार्यकताओं की बैठक की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता नवीन चंद्र साह ने देश में चल रहे देश विरोधी गतिविधियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेवार ठहराया। साथ ही साथ पार्टी ने मन की बात सुनने वालों को मंडल स्तर पर प्रदेश में जो सम्मानित किया गया उसका आधार मंडल ना होकर के बुथ स्तर करने की मांग की। कहा कि इससे संगठन की छोटी इकाई भी अपने आप को गौरवान्वित महसूस करेगी। साथ हीं 7 मार्च से प्रारंभ होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान की चर्चा की। मौके पर मंडल के उपाध्यक्ष नवनीत शाह, शंभू शरण चौधरी, मंत्री शिवकुमारी देवी, शक्ति केंद्र प्रभारी इंद्रदेव चौधरी, महिला मंडल के अध्यक्ष कमला देवी, बुथ समिति सदस्य मुन्ना गुप्ता, संतोष गुप्ता, श्रीभगवान पासवान, शिक्षक दिनेश सिंह, पंच रणविजय चौधरी, दसई शर्मा, पीतांबर गुप्ता, जनार्दन शाह, नंदलाल शाह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

रोजा के पवित्र माह में समाजसेवी जुगनू दुबे ने बांटी राहत सामग्री, दिया भाईचारे का संदेश

केसठ। प्रखंड के दसियाव गांव में रविवार को रोजा के पवित्र माह के दौरान मानवता और आपसी सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। कुलमनपुर गांव निवासी समाजसेवी रजनीकांत दूबे उर्फ जुगनू दुबे ने मुस्लिम समाज के दर्जनों जरूरतमंद परिवारों के बीच ड्राई फूड का वितरण किया। इस पहल से गांव में भाईचारे और सद्भाव का सकारात्मक संदेश गया।ड्राई फूड वितरण कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की उपस्थिति रही।उन्होंने स्वयं लोगों के बीच पहुंचकर खाद्य सामग्री सौंपी और उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि रोजा त्याग, संयम और इंसानियत का प्रतीक है। यह महीना हमें जरूरतमंदों की मदद करने और एक-दूसरे के दुख-दर्द को समझने की सीख देता है। मेरा प्रयास है कि कोई भी परिवार रोजा के दौरान अभाव महसूस न करे, उन्होंने भावुक स्वर में कहा।उन्होंने आगे कहा,धर्म और जाति से ऊपर उठकर हमें इंसानियत को प्राथमिकता देनी चाहिए। समाज की सच्ची सेवा वही है, जब हम बिना भेदभाव के जरूरतमंदों के साथ खड़े हों।

डिप्टी सीएम ने खड़गपुर में निबंधन कार्यालय का उद्घाटन किया

एजेंसी। पटना

1 करोड़ 40 लाख की लागत से बना भवन, मन की बात कार्यक्रम में भी हुए शामिलहवेली खड़गपुर अनुमंडल मुख्यालय के अंबेडकर चौक पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान 1 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से बने नए अवर निबंधन कार्यालय भवन का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन से पूर्व, खड़गपुर बाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उप मुख्यमंत्री पर जेसीबी से फूलों की

वर्षा की। इसके बाद, सम्राट चौधरी ने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उद्घाटन समारोह के उपरांत, उन्होंने भवन में स्थापित निबंधन काउंटर, अत्याधुनिक कंप्यूटर कक्ष, 'आई हेल्प यू' काउंटर और सुसज्जित प्रतीक्षालय का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को आमजनों को पारदर्शी एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। एयह उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह कार्यालय जर्जर और खपरैल भवन में संचालित हो रहा था, जिससे लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था। नए भवन के शुरू होने से निबंधन संबंधी कार्यों में तेजी आएगी और क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। स्थानीय लोगों में इस उद्घाटन को लेकर उत्साह देखा गया। इसके बाद, उप मुख्यमंत्री राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर, मिल्की पहुंचे। वहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 78वें और 181वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर विधायक कुमार प्रणय, पूर्व विधायक राजीव कुमार सिंह जिलाधिकारी निखिल धनराज निपुणिकर, पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद शाहिद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रोशन, डीएसपी अनिल कुमार, बीडीओ प्रियंका कुमारी, कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार मनीष, रजिस्ट्रार खुशबू कुमारी, मुख्य पार्षद प्रभु शंकर, भाजपा नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, प्रणव कुमार उर्फ सीट्टू मोदी, रेखा सिंह चौहान, नरेश बाँध, सुभाष कुमार यादव और अनिल कुमार सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अंडर-19 विश्व कप विजेता वैभव सूर्यवंशी को सीएम नीतीश कुमार ने दिए 50 लाख रुपये, पटना में सम्मान समारोह का आयोजन

एजेंसी। पटना

अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप 2026 की विजेता भारतीय टीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बिहार को गौरवान्वित करने वाले वैभव सूर्यवंशी को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। पटना में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को 50 लाख रुपये पुरस्कार स्वरुप भेंट की। बिहार के सीएम से मिलने पहुंचे वैभव सूर्यवंशी ने इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से आशीर्वाद लिया। वही मुख्यमंत्री ने शॉल ओढाकर वैभव का स्वागत किया और देश का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, मंत्री विजय कुमार चौधरी सहित कई लोग मौजूद थे। वही मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि धुरंधर बल्लेबाज वैष्णव सूर्यवंशी समस्तीपुर के रहने वाले हैं। समस्तीपुर के ही रहने वाले मंत्री विजय चौधरी भी उनके सम्मान समारोह में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मेरे लिए तो गौरव की बात है कि एक तो वह बिहार के हैं और समस्तीपुर के रहने वाले हैं जहां का मैं रहने वाला हूं। विजय कुमार चौधरी ने कहा कि हम लोग हमेशा उनका सम्मान करते रहेंगे। हम लोगों ने पूरी तरीके से उनका सम्मान किया और सभी लोगों का आशीर्वाद है कि वह और आगे जाए और बिहार और देश का नाम ऊंचा करें। बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने वैभव का परफोमेंस सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है। मैं मंगलकामना करती हूं उन्हें आशीर्वाद देती हूं कि वो इसी तरह भारत का नाम रोशन करते रहें। मैं उम्मीद करती हूं कि वो सबसे युवा खिलाड़ी बनेंगे जो आने वाले समय में सिनियर टीम को प्रजेन्ट करेंगे। बिहार का नाम रोशन करने का काम वैभव ने किया है। अभी सम्मान समारोह में उन्हें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों पचास लाख रुपये का चेक दिया गया है। बिहार के डिप्टी सीएम और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने भी वैभव सूर्यवंशी को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि 'बिहार के वैभव का सम्मान! माननीय मुख्यमंत्री श्री @NitishKumarजी के साथ अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिए श्री वैभव सूर्यवंशी जी को 50 लाख रुपए का इनाम देकर सम्मानित किया। बिहार के लाल और भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य वैभव सूर्यवंशी जी नित्य नये आयाम स्थापित करें, पूरे बिहार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!

भारतीय क्रिकेट की नई उम्मीद

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंडर-19 विश्वकप में भारत की जीत में बिहार के क्रिकेटर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बने हैं। वैभव बिहार के बच्चों के लिए प्रेरणा हैं। इसी तरह से अच्छा क्रिकेट खेलते रहिए और राज्य एवं देश का नाम फलक पर पहुंचाते रहिए। मेरी शुभकामना है कि वैभव भविष्य में भारतीय टीम के लिए नया कीर्तिमान रचें और देश का नाम रौशन करें। राज्य में आधुनिक और विश्वस्तरीय खेल आधारभूत संरचना का निर्माण कराया जा रहा है।

खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधा दे रही सरकार

खिलाड़ियों को सरकार प्रोत्साहित करते हुए उन्हें हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध करा रही है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री श्रेयसी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह भी थे।

एक नजर

बिहार में 100 रुपये के लिए एक बेटे ने मां को मौत के घाट उतारा, गला रेतकर कर दी हत्या

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज जिले से दिल को दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां महज 100 रुपये के लिए एक कलयुगी बेटे ने अपनी ही मां की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी है। इस घटना से इलाके के लोग भी हैरान हैं। यह घटना जंगल में आग की तरह फैल गयी है। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी गयी है। घटना बिहार के गोपालगंज जिले के उसरी गांव का है, जो बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में आता है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मां और बेटे के बीच पैसों को लेकर कहासुनी हुई थी। आरोपी बेटे ने मां से 100 रुपये की डिमांड की थी। मां ने पैसे देने से इनकार कर दिया। जो बेटे को नागवार गुजरा। प्रत्यक्षदर्शियों और ग्रामीणों के मुताबिक, गुस्से में आकर बेटे ने घर में रखे धारदार हथियार से अपनी मां पर हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गयी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बेटे भरोसा रावत को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

दुकान बंद कर रहे व्यापारी पर बरसी गोलियां, एसआईटी की ताबड़तोड़ कार्रवाई में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अररिया। कोठीहाट चौक स्थित एक कॉस्मेटिक दुकान के संचालक अरुण केशरी को गोली मारकर घायल करने के मामले में अररिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना के कुछ ही दिनों के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अररिया के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि 19 फरवरी 2026 को दर्ज फारबिसगंज थाना कांड संख्या 85/26 के अनुसंधान के लिए गठित विशेष जांच दल (रक्ळ) ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 30 वर्षीय संतोष गोस्वामी को गिरफ्तार किया। आरोपी सैफगंज वार्ड संख्या सात का निवासी है और जिले के टॉप-टेन अपराधियों की सूची में शामिल रहा है। उसके विरुद्ध फारबिसगंज थाना में पहले से दस गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।पुलिस ने आरोपी को हरिपुर स्थित एक घर से दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से चार देशी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक मैगजीन तथा दो फायर किए गए खोखे बरामद किए गए। गिरफ्तारी के समय उसके पास एक लोडेड पिस्टल भी मौजूद थी।एसपी ने बताया कि मंगलवार देर शाम दुकान बंद कर रहे अरुण केशरी पर बाइक सवार दो अपराधियों ने फायरिंग की थी, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मामले के उद्भेदन के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया। टीम ने नगर परिषद क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच कर आरोपी की पहचान सुनिश्चित की और उसे गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी दल में फारबिसगंज थानाध्यक्ष, अपर थानाध्यक्ष समेत कई पुलिस अधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस फरार दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

तिलक समारोह जा रहे चाचा-भतीजा समेत 3 की दर्दनाक मौत, बिजली पोल से टकराई बाइक

एजेंसी। पटना

बिहार के नवादा जिले में रविवार को शादी की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे तीन लोगों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह भीषण दुर्घटना नवादा जिले के कटघर गांव के समीप हुई। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार, गया जिले के रिवाला गांव निवासी तीन लोग नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड के मोहगाय गांव में तिलक चढ़ाने के लिए जा रहे थे। सभी एक ही बाइक पर सवार थे और समारोह में शामिल होने की खुशी में घर से निकले थे। लेकिन रास्ते में ही तेज रफ्तार उनकी जिंदगी पर भारी पड़ गई। बताया जा रहा है कि जैसे ही उनकी बाइक कटघर गांव के पास पहुंची, अचानक अनियंत्रित होकर एक बिजली के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसा इतना भयावह था कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सीतामढ़ी थाना की पुलिस मौके पर

पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। मृतकों की पहचान रिवाला गांव निवासी सुनील चौधरी के पुत्र सोनू कुमार (20 वर्ष), विजय चौधरी के पुत्र प्रताप कुमार (20 वर्ष) और राजेश मांझी के पुत्र इंदल मांझी (42 वर्ष) के रूप में हुई है। सोनू कुमार और प्रताप कुमार आपस में चाचा-भतीजा बताए जा रहे हैं। इंदल मांझी भी उनके साथ तिलक समारोह में शामिल होने जा रहे थे। एक ही परिवार के दो युवकों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन और गांव के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल और बाद में अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त बाइक को भी जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर तेज रफ्तार और असावधानी अक्सर हादसों का कारण बन रही है। एक ही बाइक पर तीन लोगों का सवार होना भी दुर्घटना की एक बड़ी वजह मानी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सावधानी बरती जाती तो शायद यह हादसा टल सकता था। इधर, जिस घर में तिलक की तैयारियां चल रही थीं, वहां अचानक मातम छा गया। शादी वाले परिवार के लोग इस दुखद घटना से गहरे सदमे में हैं। अब विवाह समारोह को लेकर भी संशय की स्थिति बनी हुई है। परिजन यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि इस दुख की घड़ी में कार्यक्रम को कैसे आगे बढ़ाया जाए।

पटना विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव स्थगन आदेश वापस, 28 फरवरी को ही होगी वोटिंग

एजेंसी। पटना

पटना विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव को लेकर शनिवार को उत्पन्न हुआ सस्पेंस कुछ ही घंटों में खत्म हो गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले चुनाव स्थगित करने की अधिसूचना जारी की, लेकिन छात्र संगठनों के तीखे विरोध और हंगामे के बाद इसे वापस ले लिया। अब पीयू छात्र संघ चुनाव की वोटिंग अपनी पूर्व निर्धारित तिथि 28 फरवरी को ही कराई जाएगी। इस फैसले से चुनावी मैदान में उतरे विभिन्न छात्र संगठनों और प्रत्याशियों को बड़ी राहत मिली है। एदरअसल, छात्र संघ चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 16 से 18 फरवरी तक पूरी की गई थी। 19 फरवरी को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी भी हो चुकी थी और 21 फरवरी को पात्र उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की जानी थी। इसी बीच शनिवार शाम विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से एक अधिसूचना जारी कर चुनाव को अगले आदेश तक स्थगित करने की घोषणा कर दी गई। अधिसूचना में कहा गया था कि पिछले कुछ दिनों के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में अमर्यादित और अप्रत्याशित घटनाएं हुई हैं। चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन किया गया है, जिसके कारण छात्र संघ चुनाव 2025-26 को फिलहाल टाला जा रहा है। प्रशासन ने यह भी उल्लेख किया था कि चुनाव प्रचार के दौरान कुछ छात्र बिना अनुमति के कॉलेज परिसरों में प्रवेश कर गए और नारेबाजी की। महंगी गाड़ियों से प्रचार करने और बैनर-पोस्टर के जरिए नियमों की अनदेखी करने के आरोप भी लगाए गए। सबसे गंभीर घटना शनिवार सुबह सामने आई, जब पटना साइंस कॉलेज में चुनाव प्रचार कर रहे कुछ छात्रों ने एक शिक्षक के साथ मारपीट कर दी। बताया जा रहा है कि पटना कॉलेज के कुछ छात्र क्लासरूम में प्रचार के लिए पहुंचे थे, जहां अंग्रेजी के एक शिक्षक के साथ कहासुनी के बाद मारपीट की गई। इसके बाद पटना साइंस कॉलेज और पटना कॉलेज के छात्रों के बीच भी झड़प हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस घटना से शिक्षक और कर्मचारी वर्ग भी आक्रोशित हो गया। शिक्षकों ने चुनावी कार्य से खुद को अलग करने का निर्णय लेने की बात कही। माना जा रहा है कि शिक्षक पर हमले की घटना ने प्रशासन को सख्त कदम उठाने पर मजबूर कर दिया और इसी कारण चुनाव स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

पटना नीट छात्रा मौत मामले में जांच तेज, फॉरेंसिक और डिजिटल सबूतों की दोबारा पड़ताल शुरू

एजेंसी। पटना

पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में रहकर नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने जांच की रफ्तार बढ़ा दी है। एजेंसी फिलहाल जांच के प्रारंभिक चरण में है, लेकिन अब पूरा जोर फॉरेंसिक और डिजिटल साक्ष्यों की गहन पड़ताल पर दिया जा रहा है। जांच का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शुरूआती स्तर पर कहीं कोई चूक, लापरवाही या साक्ष्य संग्रह में त्रुटि तो नहीं हुई। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई अब फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) द्वारा जुटाए गए सभी साक्ष्यों का क्रॉस-चेक कर रही है। एजेंसी उन सभी एफएसएल अधिकारियों और कर्मियों की सूची तैयार कर रही है, जिन्होंने घटनास्थल से सबूत एकत्रित किए थे या बाद में उनकी जांच की थी। सीबीआई इन अधिकारियों से दो चरणों में पूछताछ करेगी। पहले चरण में साक्ष्य संग्रह की प्रक्रिया और मौके की स्थिति को लेकर सवाल-जवाब होंगे, जबकि दूसरे चरण में लैब में की गई जांच और रिपोर्ट की तकनीकी समीक्षा की जाएगी। मामले में डिजिटल एंगल को भी बेहद

अहम माना जा रहा है। छात्रा के मोबाइल फोन, लैपटॉप, कॉल डिटेल्स, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़े डेटा की फिर से जांच की जा सकती है। एजेंसी यह जानने की कोशिश कर रही है कि घटना से पहले छात्रा के संपर्क में कौन-कौन लोग थे और क्या किसी प्रकार का मानसिक दबाव या धमकी का संकेत डिजिटल रिकॉर्ड में मौजूद है। इसी कड़ी में हाल ही में सीबीआई की पांच सदस्यीय टीम, जिसमें एक महिला इंस्पेक्टर भी शामिल थीं, तीसरी बार जहानाबाद जिले के मखदुमपुर थाना क्षेत्र स्थित छात्रा के मामा के गांव पहुंची। टीम ने परिजनों से कई घंटे तक गहन पूछताछ की। इससे पहले 17 फरवरी को भी सीबीआई की टीम गांव पहुंचकर छात्रा के माता-पिता, भाई, भाभी, दादी और फुआ से विस्तृत जानकारी ले चुकी थी। एजेंसी परिवार के बयान को तकनीकी साक्ष्यों के साथ मिलान कर रही है, ताकि घटनाक्रम की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सके। परिजनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने घर पर चौबीसों घंटे दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। अधिकारियों का कहना है कि परिवार की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी अप्रिय घटना या संभावित दबाव को रोकने के लिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत घर में चार सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं, जो आसपास की गतिविधियों को रिकॉर्ड कर रहे हैं।

सिर्फ सजा नहीं ! बिहार की जेलें बन रही हैं नई शुरूआत का केंद्र

एजेंसी। पटना

बिहार की जेलें अब केवल सजा काटने की जगह नहीं रह गई हैं, बल्कि सुधार और नई शुरूआत का केंद्र बनती जा रही हैं। वर्ष 2025 में शिक्षा, उच्च अध्ययन और कौशल विकास के क्षेत्र में किए गए प्रयासों ने बिहार को पूरे देश में अग्रणी बना दिया है। आंकड़े बताते हैं कि राज्य की जेलों ने बंदियों के पुनर्वास के लिए ऐसा मॉडल तैयार किया है, जिसे अन्य राज्य भी अपनाने की दिशा में देख रहे हैं।सबसे बड़ा बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में देखने को मिला है। National Institute of Open Schooling (NIOS) के माध्यम से 10वीं कक्षा में 1256 और 12वीं में 183 बंदियों का नामांकन कराया गया है। यह आंकड़ा

देश में सबसे अधिक बताया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जेल प्रशासन अब बंदियों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने पर गंभीरता से काम कर रहा है। उच्च शिक्षा के मोर्चे पर भी बिहार ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। Indira Gandhi National Open University (IGNOU) के जरिए 1565 बंदियों का नामांकन कराया गया है। केवल वर्ष 2025 में ही 1354 बंदियों को उच्च शिक्षा से जोड़ा गया। इन नामांकनों में स्नातक, स्नातकोत्तर और विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रम शामिल हैं। इसका उद्देश्य यह है कि रिहाई के बाद बंदियों को रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर मिल सके। कौशल विकास को भी समान महत्व दिया गया है। वर्ष 2025-26 में 3902 सजायाफ्ता और विचाराधीन बंदियों को अलग-अलग ट्रेड में स्किल ट्रेनिंग दी गई। सिलाई, बढ़ईगिरी, इलेक्ट्रिशियन, फूड प्रोसेसिंग और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT) और अन्य एजेंसियों के माध्यम से 1443 बंदियों को प्रशिक्षित किया गया है। इससे डिजिटल साक्षरता बढ़ेगी और रिहाई के बाद नौकरी या स्वरोजगार के अवसर खुलेंगे।मानसिक और शारीरिक संतुलन के लिए भी पहल की गई है। राज्य की सभी 59 जेलों में अ१३ ङ्ग छ्प्र्ल्लॅ के साथ पांच वर्षों का समझौता किया गया है। इसके तहत योग, ध्यान और जीवन कौशल कार्यक्रम चलाए जाएंगे, ताकि बंदियों में सकारात्मक सोच विकसित हो और तनाव कम हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे कार्यक्रम अपराध की पुनरावृत्ति को कम करने में सहायक होते हैं। दूसरी ओर, अपराध पीड़ितों के लिए भी सरकार सक्रिय है। अपराध पीड़ित कल्याण न्यास के माध्यम से वर्ष 2025 में पीड़ित परिवारों को 2 करोड़ 73 लाख 9 हजार 590 रुपये की सहायता राशि देने की प्रक्रिया जारी है। इससे यह संकेत मिलता है कि सरकार केवल अपराधियों के सुधार पर ही नहीं, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास पर भी ध्यान दे रही है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। बजट सत्र के दौरान बिहार सरकार ने गंभीर श्रेणी के अपराधियों के लिए वीरान पहाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी जेल बनाने का ऐलान किया था। राज्य के गृह मंत्री Art of Living ने बताया कि इन जेलों में मोबाइल नेटवर्क नहीं होगा और आने-जाने के लिए केवल एक ही रास्ता होगा। पूरे क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखी जाएगी, ताकि सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो। कुल मिलाकर, बिहार की जेलें अब दंड से अधिक सुधार और पुनर्वास का केंद्र बन रही हैं। शिक्षा, कौशल विकास और मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के जरिए बंदियों को नई दिशा देने की कोशिश की जा रही है। यदि यह मॉडल सफल रहता है, तो आने वाले वर्षों में बिहार देश के लिए एक आदर्श सुधारात्मक व्यवस्था का उदाहरण बन सकता है।

शराब माफियाओं का हमला, छापेमारी के दौरान पुलिस पर पथराव, सरकारी वाहन चकनाचूर

एजेंसी। पटना

बिहार में पूर्ण शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस टीम पर एक बार फिर हमला हुआ है। ताजा मामला मरंगा थाना क्षेत्र के सतकोदरिया गांव का है। यहां अवैध शराब के ठिकानों पर छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम पर स्थानीय लोगों और शराब कारोबारियों ने मिलकर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इस घटना में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया, जबकि पुलिस की सरकारी गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।जानकारी के अनुसार, मरंगा थानाध्यक्ष कौशल कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि सतकोदरिया गांव में बड़े स्तर पर अवैध शराब बनाई और बेची जा रही है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम गांव में छापेमारी के लिए पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही वहां मौजूद असामाजिक तत्वों ने कुछ ग्रामीणों को उकसाया और पुलिस का विरोध शुरू कर दिया।खते ही देखते भीड़ उग्र हो गई और पुलिस टीम पर चारों ओर से पत्थर फेंके जाने लगे। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कई पुलिसकर्मियों को अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा और कुछ को छिपना पड़ा। इस हमले में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया और सरकारी वाहन को भी भारी नुकसान पहुंचा। हमले की सूचना तुरंत थाने को दी गई। इसके बाद भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस बल को आता देख हमलावर वहां से फरार हो गए। मामले में पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए 8 नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।